

बचपन

- ▶ पाठ 'बचपन' की लेखिका कृष्णा सोबती जी हैं जिनका जन्म 1925 में शिमला में जन्म हुआ ।
- ▶ लेखिका अपने बचपन के विषय में बताती हैं
- ▶ परिवार के लोग लेखिका को 'जीजी' कह कर पुकारते हैं।



# लेखिका के समय और आज के समय में अंतर -

- ▶ उनके बचपन और हमारे बचपन में बहुत अंतर हो गया है ।
- ▶ वह फ्रोक,निकर स्कर्ट आदि पहनती थी
- ▶ अपने बचपन में वह चाकलेट ,पेस्टी ,चना ज़ोर गरम ,अनारदाने का चूर्ण ,काफल चेस्टनट मजे से खाती थी ।उन्हें काफल, रसभरी , कसमल आदि फल खाना बहुत पसंद था।
- ▶ उनके समय में बच्चे कुल्फी ,कचौड़ी ,शरबत पसंद करते थे जो आजकल कम पसंद करते हैं

- 
- ▶ शनिवार को ऑलिव ऑयल या कैस्टर ऑयल पीना होता अच्छी सेहत के लिए इसे पीते है ।
  - ▶ लेखिका इसे शनिवारी दवा कहती और उन्हें यह नापसंद थी
  - ▶ उन दिनों मनोरंजन के लिए टीवी रेडियो नहीं थे। ग्रामोफोन थे ।

- वह अपने मोज़े और स्टॉकिंग खुद धोती थी ,जूते पॉलिश करती ।
- वह नौकर या नौकरानी को नहीं दिए जा सकते थे। इसकी सख्त मनाही थी।
- शायद माता-पिता छोटे –छोटे काम से उन्हें काम का महत्व सीखना चाहते होंगे

वह शिमला के माल रोड ,गिरजा मैदान  
,जाखू का पहाड़ शिमला कालका ट्रेन का  
वर्णन करती है



जाखू का पहाड़



गिरजा मैदान



शिमला कालका ट्रेन

- 
- ▶ लेखिका दिन की रोशनी को छोड़कर रात में टेबल लैम्प के सामने काम किया करती थीं जिसके कारण उनकी नज़र कमज़ोर हो गई थी।
  - ▶ आँख के डॉक्टर ने लेखिका को आश्वासन दिया था कि कुछ दिन पहनने पर चश्मा हट जाएगा परन्तु ऐसा नहीं हुआ।
  - ▶ चश्मा लगने पर चचेरा भाई लंगूर कहकर चिढ़ता ।
  - ▶ चश्मा लगने के कारण लोग लेखिका को दूध पीने की सलाह देते थे।